

शुकराना साँवरे तेरा कैसे अदा करूँ भजन लिरिक्स



शुकराना साँवरे तेरा,
कैसे अदा करूँ,
क्या क्या नहीं दिया मुझे,
कैसे बयां करूँ,
शुकराना साँवरे तेरा,
कैसे अदा करूँ। bdi

तर्ज - किरपा से तेरी साँवरे।

हारा हुआ था मैं प्रभु,
तुमने जीता दिया,
दर दर की ठोकरो से श्याम,
तुमने बचा लिया,
उपकार तेरा साँवरे,
मैं कैसे बयां करूँ,
शुकराना साँवरे तेरा,
कैसे अदा करूँ। bdi

गम की अंधेरी रात में,
ये पूछता था मैं,
कैसे कटेगी ज़िंदगी,
ये सोचता था मैं,
तेरी दया से साँवरे,
अब मौज मैं करूँ,
शुकराना साँवरे तेरा,
कैसे अदा करूँ। bdi

करुणा की तुम हो मूर्ति,
किरपा की खान हो,
कलयुग के देव साँवरे,
तुम ही महान हो,
लाखों के लखदातार की,
मैं वंदना करूँ,
शुकराना साँवरे तेरा,
कैसे अदा करूँ। bdi



ग्यारस की शाम साँवरे,
चरणों में तेरे बीते,
जिस दिन भी भूलें नाम तेरा,
मर जाए जीते जीते,
है आरजू यही 'रसिक',
तेरा भजन करूँ,
शुकराना साँवरे तेरा,
कैसे अदा करूँ।bd।

शुकराना साँवरे तेरा,
कैसे अदा करूँ,
क्या क्या नहीं दिया मुझे,
कैसे बयां करूँ,
शुकराना साँवरे तेरा,
कैसे अदा करूँ।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
रिंकू श्रीवास 'रसिक'
9911936151